भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

12.08.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 3934 का उत्तर

पीरपैंती-जसीडीह नई रेललाइन परियोजना

3934. श्री अजय कुमार मंडल:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) बिहार राज्य में मई, 2026 तक चल रही और लंबित रेल परियोजनाओं की कुल संख्या के साथ उनकी स्वीकृत लागत, पूरे हो चुके रेल खंडों सहित अब तक किए गए व्यय का ब्यौरा क्या है;

(ख) हाल ही के बजट आवंटन के अंतर्गत बिहार में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत नई रेललाइन के निर्माण, ट्रैक दोहरीकरण/तीसरी लाइन के कार्यों और चुने गए 92 स्टेशनों के पुनर्विकास की वर्तमान प्रगति का ब्यौरा क्या है; और

(ग) पीरपैंती-जसीडीह नई रेललाइन परियोजना को 100 प्रतिशत पूरा करने के लिए स्वीकृत लागत, अब तक किए गए व्यय सहित निर्धारित पटरियों की लंबाई और लक्ष्य तिथि का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग):

हाल के वर्षों में बजट आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। बिहार राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली अवसंरचना संबंधी परियोजनाओं के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	1,132 करोड़ रुपए/वर्ष
2026-27	10,379 करोड़ रुपए (9 गुना से अधिक)

रेलपथ निर्माण:

बिहार राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाले नए रेलपथ की कमीशनिंग/बिछाने के कार्य का ब्यौरा निम्नानुसार हैं:

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथों की औसत कमीशनिंग
2009-14	318 कि.मी.	63.6 कि.मी./वर्ष
2014-26	2,034 कि.मी.	169.5 कि.मी./वर्ष (2.5 गुना से अधिक)

स्वीकृत परियोजनाएं:

दिनांक 01.04.2026 की स्थिति के अनुसार, बिहार राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाली 96,651 करोड़ रुपए की लागत से 5,067 किलोमीटर कुल लंबाई की 59 परियोजनाओं (32 नई लाइन, 01 आमान परिवर्तन और 26 दोहरीकरण) को स्वीकृत किया गया है। सार निम्नानुसार है:-

कोटि	स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2026 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2026 तक कुल व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	32	2,616	533	14,806
आमान परिवर्तन	1	69	52	544
दोहरीकरण/बहुपथन	26	2,382	465	14,509
कुल	59	5,067	1,050	29,860

हाल ही में पूरी हुई परियोजनाएं:

बिहार में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली हाल ही में पूरी हुई कुछ परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	पटना पुल (28 कि.मी.)	3,310

2	मुंगेर रेल सह सड़क पुल (15 कि.मी.)	3,040
3	कोसी पुल (22 कि.मी.)	863
4	दनियावां-बिहारशरीफ नई लाइन (38 कि.मी.)	354
5	चांदन -बांका नई लाइन (40 कि.मी.)	496
6	रामपुरहाट-मंदारहिल नई लाइन (130 कि.मी.)	908
7	महाराजगंज-मसरख नई लाइन (35 कि.मी.)	412
8	राजगीर-तिलैया और नटेसर-इस्लामपुर नई लाइन (67 कि.मी.)	726
9	जयनगर-नरकटियागंज आमान परिवर्तन (260 कि.मी.)	967
10	कप्तानगंज-छपरा आमान परिवर्तन (234 कि.मी.)	819
11	सकरी-निर्मली, सहरसा-फारबिसगंज आमान परिवर्तन (206 कि.मी.)	2,113
12	मानसी-सहरसा, सहरसा-पूर्णिया, बनमखी - बिहारीगंज आमान परिवर्तन (169 कि.मी.)	752
13	साहिबगंज-पीरपैंती दोहरीकरण (23 कि.मी.)	129
14	महेशकुंट-थानाबिहपुर दोहरीकरण (32 कि.मी.)	115
15	हाजीपुर-रामदयालु नगर दोहरीकरण (48 कि.मी.)	367
16	पीरपैंती-भागलपुर दोहरीकरण (51 कि.मी.)	493
17	किऊल-गया दोहरीकरण (124 कि.मी.)	2,462
18	हाजीपुर-बछवाड़ा दोहरीकरण (72 कि.मी.)	930
19	अररिया-गलगलिया (ठाकुरगंज) नई लाइन (110 कि.मी.)	2,132
20	समस्तीपुर-दरभंगा दोहरीकरण (38 कि.मी.)	874

चालू परियोजनाएं:

बिहार राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुछ परियोजनाएं जो शुरू की गई हैं, इस प्रकार हैः

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	सकरी - हसनपुर नई लाइन (76 कि.मी.)	802

2	फतुहा - इस्लामपुर नई लाइन (167 कि.मी.)	3,158
3	कोडरमा - तिलैया नई लाइन (65 कि.मी.)	2,287
4	हाजीपुर - सगौली नई लाइन (151 कि.मी.)	2,820
5	अररिया - सुपौल नई लाइन (96 कि.मी.)	2,170
6	कुर्सेला - बिहारीगंज नई लाइन (58 कि.मी.)	194
7	पीरपैंती - जसीडीह नई लाइन (97 कि.मी.)	2,700
8	छितौनी - तुमकुही रोड नई लाइन (59 कि.मी.)	1,881
9	जलालगढ़ - किशनगंज नई लाइन (51 कि.मी.)	407
10	सीतामढ़ी - निर्मली नई लाइन (189 कि.मी.)	2,833
11	बिहटा - औरंगाबाद नई लाइन (120 कि.मी.)	3,606
12	गया - चतरा और गया - नटेसर नई लाइन (135 कि.मी.)	4,543
13	सुल्तानगंज - कटुरिया नई लाइन (77 कि.मी.)	291
14	जयनगर - बिजलपुरा आमान परिवर्तन (69 कि.मी.)	900
15	धनबाद - सोननगर तीसरी लाइन (291 कि.मी.)	7,906
16	सगौली - वाल्मीकिनगर दोहरीकरण (110 कि.मी.)	1,456
17	मुजफ्फरपुर - सुगौली दोहरीकरण (101 कि.मी.)	1,745
18	बरौनी - बछवाड़ा तीसरी और चौथी लाइन (32 कि.मी.)	486
19	नरकटियागंज - दरभंगा, सीतामढ़ी - मुजफ्फरपुर दोहरीकरण (256 कि.मी.)	4,080
20	छपरा-बलिया कहीं-कहीं दोहरीकरण (65 कि.मी.)	1,046
21	कटिहार - कुमेदपुर और कटिहार - मुकुरिया दोहरीकरण (65 कि.मी.)	943
22	सोन नगर - अंडाल बहुपथन (749 कि.मी.)	12,334
23	पुनारख - बख्तियारपुर नई चौथी लाइन और शेष तीसरी	422

	लाइन (28 कि.मी.)	
24	अलुआबाड़ी रोड - ठाकुरगंज दोहरीकरण (20 कि.मी.)	327
25	भागलपुर - जमालपुर तीसरी लाइन (53 कि.मी.)	1,156
26	भागलपुर - दुमका - रामपुरहाट दोहरीकरण (177 कि.मी.)	3,169
27	बख्तियारपुर - राजगीर - तिलैया दोहरीकरण (104 कि.मी.)	2,192
28	बख्तियारपुर - फतुहा तीसरी और चौथी लाइन (24 कि.मी.)	931
29	पुनारख किऊल तीसरी और चौथी लाइन (50 कि.मी.)	2,668
30	किऊल - झाझा तीसरी लाइन (54 कि.मी.)	962
31	मानसी - सहरसा दोहरीकरण (44 कि.मी.)	499

रेल परियोजनाओं का क्षेत्रीय रेल-वार विवरण भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध कराया जाता है।

पीरपैंती-जसीडीह नई लाइन (97 कि.मी.)

पीरपैंती-जसीडीह नई लाइन (97 कि.मी.) को ₹2700 करोड़ की लागत से स्वीकृति प्रदान की गई है। इस परियोजना पर अब तक ₹1697 करोड़ का व्यय उपगत किया जा चुका है और वित्त वर्ष 2026-27 में ₹270 करोड़ आवंटित किए गए हैं। 97 कि.मी. में से 38 कि.मी. को चालू कर दिया गया है। शेष खंडों में कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- 613 हेक्टेयर भूमि में से 338 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहण का कार्य पूरा हो चुका है तथा शेष भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया जारी है।
- 31 में से 03 बड़े पुलों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। शेष पुलों पर कार्य शुरू कर दिया गया है।
- 119 में से 45 छोटे पुलों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। शेष पुलों पर कार्य शुरू कर दिया गया है।

- 37 में से 25 ऊपरी सड़क पुलों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। शेष ऊपरी सड़क पुलों का कार्य शुरू कर दिया गया है।
- 39 में से 02 निचले सड़क पुलों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। शेष निचले सड़क पुलों का कार्य शुरू कर दिया गया है।
- 97 कि.मी. में से 38 कि.मी. रेलपथ जोड़ने का कार्य पूरा हो चुका है। शेष रेलपथ पर कार्य शुरू कर दिया गया है।

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण
- वानिकी स्वीकृति
- अतिलंघनकारी जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण
- विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियाँ
- क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियाँ
- परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति
- परियोजना स्थल विशेष के लिए एक वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि।

सभी कारक परियोजना/परियोजनाओं के पूरा होने के समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

स्टेशन पुनर्विकास:

रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना की शुरुआत की है।

इस योजना में भारतीय रेल के स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध रूप में कार्यान्वयन करना शामिल है। प्रत्येक स्टेशन की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए मास्टर प्लान में निम्नलिखित शामिल हैं:

- स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार
- शहर के दोनों किनारों के साथ स्टेशन का एकीकरण
- स्टेशन भवन का सुधार
- प्रतीक्षालयों, शौचालयों, बैठने की व्यवस्था, पानी के बूथों में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े ऊपरी पैदल पुल/सबवे का प्रावधान
- लिफ्टों/एस्केलेटरों/रैंप का प्रावधान
- प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार/प्लेटफॉर्म शेल्टर का प्रावधान
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान
- पार्किंग क्षेत्र का विकास
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- एयर कॉनकोर्स, एग्जीक्यूटिव लाउंज, मल्टीमॉडल एकीकरण, लैंडस्केपिंग आदि का प्रावधान।

इस योजना में आवश्यकता, चरणबद्धता एवं व्यवहार्यता के अनुसार संवहनीय और पर्यावरण अनुकूल समाधानों आदि और दीर्घकालिक आधार पर स्टेशन पर सिटी सेन्टर के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अब तक, इस योजना के अंतर्गत 1340 स्टेशनों को विकास के लिए चिह्नित किया गया है, जिनमें से 98 स्टेशन बिहार में स्थित हैं। बिहार में, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
बिहार	98	अनुग्रह नारायण रोड, आरा, अररिया कोर्ट, बख्तियारपुर, बांका,

		बनमनखी, बापूधाम मोतिहारी, बरहिया, बरौनी, बाढ़, बरसोई जं, बेगूसराय, बेतिया, भभुआ रोड, भागलपुर, भगवानपुर, बिहार शरीफ, बिहिया, बिक्रमगंज, बक्सर, चकिया, चौसा, छपरा, दलसिंह सराय, दरभंगा, दौरम मधेपुरा, देहरी ऑन सोन, ढोली, दिघवारा, डुमरांव, दुर्गावती, एकमा, फतुहा, गया, घोड़ासहन, गुरारू, हाजीपुर जं., जमालपुर जं., जमुई, जनकपुर रोड, जयनगर, जेहानाबाद, झांझरपुर, कहलगांव, करहागोला रोड, कटिहार जं., खगड़िया जं., किशनगंज, कुदरा, लाभा, लहेरिया सराय, लखमिनिया, लखीसराय जं., मधुबनी, महेशखुंट, मैरवा, मानसी जं., मशरख, मोकामा, मोतीपुर, मुंगेर, मुजफ्फरपुर जं., नबीनगर रोड, नरकटियागंज जं., नौगछिया, नवादा, पहाड़पुर, पाटलीपुत्र, पटना जं., पीरो, पीरपैंती, रफीगंज, रघुनाथपुर, राजेन्द्र नगर टर्मिनल (पटना), राजगीर, राम दयालु नगर, रक्सौल, सबौर, सगौली, सहरसा, साहिबपुर कमाल, सकरी, सलौना, सलमारी, समस्तीपुर, सासाराम, शाहपुर पटोरी, शिवनारायणपुर, सिमरी बख्तियारपुर, सिमुलतला, सीतामढ़ी, सीवान, सोनपुर जं, सुल्तानगंज, सुपौल, तारेगना, ठाकुरगंज, थावे

स्टेशन जहां कार्य पूरे किए गए हैं:

बिहार राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं। बिहार में कार्य संपन्न स्टेशनों का ब्यौरा निम्नानुसार है:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
बिहार	8	बनमनखी, दौरम मधेपुरा, कहलगांव, पीरपैंती, सबौर, शिवनारायणपुर, सिमुलतला, थावे

अन्य स्टेशनों पर विकास संबंधी कार्यकलाप भी तेज गति से शुरू किए गए हैं और कुछ स्टेशनों पर कार्यों की प्रगति नीचे दी गई है:

- सहरसा स्टेशन: स्टेशन भवन में नया मुख्य प्रवेश द्वार, पार्किंग, परिचलन क्षेत्र में सुधार, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्रवेश द्वार और चहारदीवारी के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। 12 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल का कार्य शुरू कर दिया गया है।
- सलौना स्टेशन: स्टेशन भवन में नया मुख्य प्रवेश द्वार, प्लेटफॉर्म शेल्टर, परिचलन क्षेत्र में सुधार, प्रवेश द्वार और चहारदीवारी के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। 12 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल का कार्य शुरू कर दिया गया है।
- सोनपुर स्टेशन: नए एट्रियन बिल्डिंग के कार्य, बुकिंग काउंटर, स्टेशन भवन में सुधार, परिचलन क्षेत्र में सुधार, पार्किंग और प्रवेश प्रांगण के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। 12 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल का कार्य शुरू कर दिया गया है।
- अनुग्रह नारायण रोड स्टेशन: प्लेटफॉर्म संख्या 1/2 और 3/4 का विस्तार प्लेटफार्म सं. 1/2 और 3/4 पर सतह में सुधार एवं नए शौचालय ब्लॉक के कार्य पूरे किए जा चुके हैं। स्टेशन भवन में सुधार, परिचलन क्षेत्र में सुधार, प्रवेश/निकास द्वार, नए पानी बूथ, प्लेटफॉर्म शेल्टर और नए 6 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल के कार्य शुरू किए गए हैं।
- लखीसराय जंक्शन स्टेशन: स्टेशन भवन में नया मुख्य प्रवेश द्वार, ऊपरी पैदल पुल का विस्तार और परिचलन क्षेत्र में सुधार कार्य पूरे कर लिए गए हैं। मौजूदा ऊपरी पैदल पुल के लिए लिफ्ट की संस्थापना का कार्य शुरू कर दिया गया है।

इसके अलावा, भारतीय रेल पर रेलवे स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण एक सतत् और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है तथा इस संबंध में कार्य सापेक्ष प्राथमिकता और धन की उपलब्धता के अध्यधीन, आवश्यकतानुसार किए जाते हैं। किसी स्टेशन के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण कार्य स्टेशन की कोटि/स्थिति/यातायात सम्हलाई आदि के आधार पर किए जाते हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण का वित्तपोषण सामान्यत: योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन और व्यय का ब्यौरा क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता हैं, न कि रेलवे स्टेशन-वार या राज्य-वार। बिहार राज्य चार रेलवे जोन अर्थात् पूर्व रेलवे, पूर्व मध्य रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे और पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के क्षेत्राधिकार में आता है। इन जोनों के लिए, चालू वित्त वर्ष के लिए 1,543 करोड़ रुपए का आबंटन किया गया है, जिसमें से अभी तक (जून, 2026 तक) 677 करोड़ रु. का व्यय उपगत किया गया है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है, जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए पेड़ों की कटाई, धरोहर, आग संबंधी मंजूरी, विमानपत्तन संबंधी मंजूरी इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। ये स्टेशन अत्यंत लंबे समय से परिचालन में है, अतः ब्राउन फील्ड कार्य संबंधी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है जैसे जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करना (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं), अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, रेलपथ व उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के नजदीक किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य की प्रगति और समापन समय को प्रभावित करते हैं।

******